L Atrocities on women and SC/ST

4457. SHRI AJIT P. K. JOGI:
CHOWDMRY HARI SINGH:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number 'of cases of atrocities on women, iticludisg dowry deaths, reported in various States and Union Territories during 1991 and 1992 so far, State-wise and Union Territory-wise; and

(b) the number of cases of atrocities on SC/ST during the above period, Statewise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MIMSTRY OF FARJJAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME: AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) and (b) Statements showing the number of cases of atrocities on women (including dowry deaths), on Scheduled Castes and on Scheduled Tribes in various States and Union Territories registered during the years 1991 and 1992 are enclosed. *[See* Appendix CLXIV, Annexure No. 74].

Advertisements by MCD

4458. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL; Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the amount spent by the OeUii Municipal Corporation on advertisements during 1991-92; and

(b) what is the value of advertisements which have been given to the newspapers, language-wise, during the said period?

THE MINISTER OF STATE IN THE MMSTRY OF PARUAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) The Municipal Corporation of Delhi has stated that an amount of Rs. 1,36,67,365/-fead been spent by them on advertisement in newspapers during *3991-92.*

(b) Language-wise value of advertisements during 1991-92 is ag under:-

	Rs.
1. Hindi (6 newspapers) . .	16,66,565
2. Urdu (4 newspapers) . .	8,07,254
3. Punjabi (3 newspapers) .	2,51,996
4. English (5 newspapers) .	11,05,761
5. Combined languages :	
(i) English, Hindi & Urdu (1 newspapers) . . 5	6540
(ii) English & Hindi (3 newspapers) .	91,92,008
(iii) English & Urdu (1 newspaper each)	5,78,376

Atrocities on women

4459. SHRIMATI VEENA VERMA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased *to* state:

(a) whether it is a fact that the National Women Council has not been effective in securing justice to women subjected to atrocities in different cases;

(b) if so, toe details of the cases registered during the last three years and the number of cases in which peoper prosecution under the relevant law has been initiated; and

(c) whether there is any proposal under Government's consideration to strengthen the machinery to secure justice to women in such cases, if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE fMHtNTSTRY OF PARUAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOMDE AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): (a) The Govemment has "set up a body called the National Commission for Women under an act of Parliament to examine all matters relating to the constitutional and legal safeguards provided for women and to review existing legislations. The responsibiliy for registration, investgation, detection and prosecution of crimes in primarily that of the con-

cerned State Governments/Union Territory Administrations.

(b) A statement on the number of cases registered during the last 3 years is enclosed. *[See* Appendix OLXIV, Annexure No. 75).

(c) The Governmeni is reviewing the provisions of the existing laws relating to woman with a view to strengthening them. These include the Dowry Prohi bition Act, the Commissions of ' Sati bition Act, the Commission of Sati t ation of Women (Prohibition) Act and the Imimor?! Traffic (Prevention) Act.

हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत ली जाने वाली परीक्षाओं में अनियमितताएं

4460. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक (आशुलिपि-टंकण) को हिन्दी शिक्षण योजना के अंतर्गत ली जाने वाली परीक्षाओं के लिए परीक्षक और निरीक्षक नियुक्त किया जाता है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) सरकार किस प्रकार से यह सुनिश्चित करती है कि नकल की रोकथाम की जाए ; और

(घ) क्या सरकार आशुलिपि-टंकण परीक्षाओं के लिए विभागेतर विशेषज्ञों को नियुक्त करने का विचार रखती है ताकि इस गड़बड़ी को रोका जा सके और इस योजना का वास्तविक उद्देश्य प्राप्त किया जा सके ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) और (ख) विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुभव हिन्दी आशुलिपिकों के अतिरिक्त सहायक निदेशक/टंकण/आशुलिपि को भी उत्तर पुस्तिकाएं जांचने का कार्य दिया जाता है परन्तु किसी भी सहायक निदेशक को उसी के केन्द्र की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के लिए नहीं दी जाती । सहायक निदेशक (टंकण/आशुलिपि) सामान्य रूप से निरीक्षक अथवा केन्द्र अधीक्षक नियुक्त नहीं किए जाते ।

(ग) और (घ) परीक्षाओं के आयोजन का दायित्व केन्द्र अधीक्षकों तथा निरीक्षकों का होता है जो अन्य विभागों के जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी होते है । सहायक निदेशकों टंकण/आशुलिपि) को ये दायित्व सामान्यतः नहीं दिए जाते ।

राजभाषा विभाग द्वारा शिक्षण-कार्य

4461. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हिन्दी शिक्षण योजना के उपनिदेशक द्वारा सहायक निदेशकों को इसके लिए बाध्य किया जा रहा है कि वे केवल "मानक आशुलिपि" ही पढ़ाएंगे ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) इस संबंध में मार्गनिर्देश क्या है ; और

(घ) क्या राजभाषा विभाग अपने अनुदेशकों को कर्मचारियों में द्विभाषी कुशलता लाने हेतु उनको बेहतर पुस्तकों के माध्यम से पढ़ाने के लिए निर्देश देगा ताकि इस योजना के उद्देश्यों को सही रूप में पूरा किया जा सके ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० एम० जैकब) : (क) से (ग) नहीं, श्रीमान । सरकार द्वारा कर्मचारियों को हिन्दी आशुलिपि प्रशिक्षण देने के लिए